वर्ष: 2 अंक: 54,
पेज: 4, मुल्य 1 रु.
सुरत
शनिवार
25 अप्रैल 2020

दैनिक क्रांति समय

सुविचार– जीतने का मजा तब ही आता है जब सभी आपके हारने का इंतज़ार कर रहे हो

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दीदी आपसे एक कोरोना संभल नहीं रहा, दूसरा मंगवा लिया, जेडीयू नेता ने पीके पर कसा तंज

पटना । प्रशांत किशोर के कार्गो विमान से कोलकाता पहुंचने को लेकर जेडीयू लगातार उन पर हमला बोल रही है। जेडीयू के वरिष्ठ नेता डॉ अजय आलोक एक के बाद एक ट्वीट कर उन पर तंज कस रहे हैं। प्रशांत के कोलकाता जाने की बात पर उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि कोरोना संक्रमण के इस काल में लोग मास्क, वेंटिलेटर और अन्य सामान कार्गो विमान से मंगवाते हैं लेकिन दीदी ने भी भारी सामान मंगवाया है।

उन्होंने प्रशांत किशोर पर निशाना साधते हुए कहा कि दीदी ने दूसरा कोरोना मंगवा लिया। अजय ने अपने ट्वीट में कहा– एक से एक दुर्लभ मूर्ख इस पृथ्वी पर उपलब्ध हैं। हे मां आपदा विपदा में डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिकल, मास्क, सैनेटाइजर, वेंटिलेटर या कोई अन्य सामान कार्गो विमान से मंगवाते हैं और दीदी ने इतना भारी सामान मंगवाया, चेहरा चमकाना है तो पार्लर जाइए लेकिन वो तो बंद हैं शायद इसीलिए दूसरा कोरोना।

इस दौरान डॉ निखिल आनंद ने एक ट्वीट किया जिसका भी अजय ने जवाब देते हुए प्रशांत किशोर पर तंज कसा। निखिल ने ट्वीट किया कि भाई प्रशांत किशोर जी, क्यों भूल जाते हैं कि आप चिट फंड या शेयर कंपनी में नहीं बल्कि राजनीति में हैं। सवाल तो पूछे ही जाएंगे लेकिन सवालों से डरकर सन्यास लेने की जरूरत नहीं है। आप जवाब दीजिए कि लॉकडाउन में कार्गो फ्लाइट में सामान के साथ छुपकर दिल्ली से कोलकाता कैसे गए।

इस पर अजय ने ट्वीट किया– अरे निखिल आप भी कमाल करते हैं। सामान यानी लग्गेज यानी माल कार्गो जहाज से नहीं जाएगा तो यात्री जहाज से जाएगा। आश्चर्य ये है कि एक्सपायर्ड माल को दीदी बुला रही हैं, एक कोरोना बंगाल से संभल नहीं रहा दूसरे को बला रही हैं वो भी जब हमने पहले ही निकाल बाहर कर दिया है।ममता बनर्जी की पार्टी से जुड़े सूत्रों के अनुसार, प्रशांत किशोर सोशल मीडिया पर विपक्षी पार्टी और मीडिया चैनल्स के आरोपों पर जवाबी कार्रवाई की निगरानी करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार प्रशांत किशोर टीएमसी सांसद और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी का संदेश मिलने के बाद दिल्ली से कोलकाता पहुंचे हैं।

कोरोना वायरस संक्रमण की संख्या हुई 24000 के पार

नई दिल्ली। देश में कोरोनावायरस से पीड़ित होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 24434 हो गई है। षुक्रवार को देश में कोरोनावायरस संक्रमण के 1395 मामले सामने आए। अभी तक देश में इस बीमारी से 780 लोगों की जान जा चुकी है। अच्छी खबर यह है कि इस बीमारी से ठीक होने वाले लोगों की संख्या भी 5457 पहुंच गई है। कोरोनावायरस का प्रकोप मुख्यतः महाराश्ट्र, गुजरात, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेष, तमिलनाडु और उत्तर प्रदे श।में ज्यादा है। इन सात राज्यों में कोरोनावायरस संक्रमण के 19402 मामले हैं। इस प्रकार देश में कुल संक्रमित लोगों के 79.40 प्रतिषत इन्हीं राज्यों से हैं

अकेले महाराश्ट्र में आज कोरोनावायरस संक्रमण के 390 नए मामले आए। इसके बाद इस वायरस से पीड़ित लोगों की संख्या बढ़कर 6817 हो गई। महाराश्ट्र, गुजरात, दिल्ली, राजस्थान में संक्रमित लोगों की संख्या दो हजार को पार कर गई है।

देश में कोरोना के बढ़ते मामले को देखते हुए लॉकडाउन को 3 मई तक के लिए बढ़ा दिया गया है। हालांकि 20 अप्रैल से लॉकडाउन के दौरान उन इलाकों में कुछ छूट भी दी गई है, जहां कोरोना के मामले कम हैं।

इस बीच कोरोना वायरस संकट से निपटने में ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की भूमिका की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने षुक्रवार को कहा कि कोरोना संकट का सबसे बड़ा संदेष और सबक यह है कि हमें आत्मनिर्भर बनना ही पड़ेगा। प्रधानमंत्री ने 'राश्ट्रीय पंचायत राज दिवस' पर ग्राम पंचायतों के सरपंचों और अध्यक्षों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए संवाद करते हुए कहा, '' कोरोना महामारी ने हमारे लिए अनेक मुसीबतें पैदा की हैं, जिनकी हमने कभी कल्पना तक नहीं की थी। लेकिन इससे भी बड़ी बात ये है कि इस महामारी ने हमें नई षिक्षा और संदेष भी दिया है।''

देष में कुल 32 राज्यों में से तीन राज्य कोरोनावायरस मुक्त हो गए हैं। अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर और गोवा राज्य में कोरोना के मामले आए, लेकिन अब एक भी पॉजिटिव केस इस राज्य में नहीं है। कोरोना के मरीज इन राज्यों से ठीक होकर अस्पताल से डिस्चार्ज हो चुके हैं। वहीं, पांच ऐसे भी राज्य/केंद्र शासित प्रदेश हैं, जिनमें अभी तक एक भी कोरोना के केस नहीं आए हैं। नागालैंड, सिक्किम, दमन दीव, दादर एंड नागर हवेली और लक्षदीप में कोरोना का कोई भी मामला नहीं आया है।

पानी भरते समय पैर फिसलने से कुंए में गिरी युवती की मौत

भोपाल। राजधानी के गौतमनगर थाना इलाके मे पानी भरने के दोरान पैर फिसलने से कुएँ मे गिरने से 17 वर्षीय लडकी की मौत हो जाने की घटना सामने आई है। खबर लिखे जाने तक मिली जानकारी के अनुसार राजधानी के गौतम नगर थाना इलाके में नारियल खेड़ा के पास स्थित कुएँ पर गुरुवार दोपहर को पास मे रहने वाली नाबालिग पानी भरने गई थी। बताया गया है कि इसी दोरान बाल्टी से पानी खींचते समय अचानक उसका

पैर फिसल गया ओर संतुलन बिगडने के कारण वो गहरे कुएँ मे जा गिरी। आसपास मौजूद अन्य लोगो ने मदद के लिये शोर मचाया लेकिन तैरना नही आने के कारण कोई भी कुएँ मे नही उतर सका, वही जब तक अन्य लोग वहॉ आकर कोशिश करते तब तक वो गहरे पानी मे समा चूकी थी। बताया गया है कि इस यह कुऑ कई फिट गहरा है, जिसमे पानी भरा रहता है। मामले की सूचना मिलने पर पूलिस भी मौके पर जा पहुंची, शाम करीब 5 बजे निगम के गोताखोरों ओमप्रकाश बाथम, फैजउल्लाह, इमरान और शेख आसिफ को पुलिस द्वारा मौकै पर बुलाया गया। चारों गोताखोरो ने आधा घंटे की मशक्कत कर लड़की के शव को कुएं से बाहर निकाल लिया। मृतका की पहचान दसवी कक्षा मे पढने वाली शिवानी पिता नवरत्न के रुप मे हुई है, जिसका परिवार पास मे ही बने टपरे मे रहता था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिये भेजते हुए आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है।

आज का कार्टून

दिल्ली में कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 2514

नई दिल्ली । स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 2514 हो गई है। पिछले 24 घंटों में यहाँ 138 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान 49 लोग ठीक हो कर घर वापस चले गए। अब तक कुल 857 मरीज ठीक हुए हैं। पिछले 24 घंटों में 3 मरीजों की मौत के साथ यहाँ अब तक कुल 53 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं राजधानी में रिकवरी रेट 34: पर बरकरार है।

राहत की खबर ये है कि पूर्वी दिल्ली के वसुंधरा एनक्लेव का मंसारा अपार्टमेंट अब हॉटस्पॉट नहीं रहा। प्रषासन ने इस इलाके से कन्टेनमेंट हटाने का आदेष दिया है। इसके बाद इस इलाके की सीलिंग हटा ली गई है। सीलिंग हटने वाला यह दिल्ली का यह पहला हॉटस्पॉट है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस बारे में जानकारी देते हुए ट्वीट किया कि 'वसुंधरा एनक्लेव के मनसारा अपार्टमेंट में कोई नया मामला नहीं आया। इसलिए इस कन्टेनमेंट जोन को डीकंटेन किया जा रहा है। इस इलाके में रहने वाले लोगों के सहयोग के चलते ऑपरेषन शील्ड कामयाब रहा।'

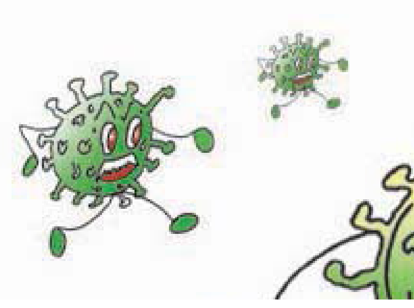

इसके अलावा दिल्ली में कोरोना के इलाज के लिए प्लाजमा थेरेपी का ट्रायल किया गया है जिसके शुरुआती नतीजे सकारात्मक आए हैं।

महाराष्ट्र को राजस्व की जरूरत, राज ठाकरे ने की शराब की दुकानें खोलने की मांग

– होटल कारोबार भी फिर से शुरू करने की मांग
– मुख्यमंत्री कार्यालय को लिखा पत्र

मुंबई, देश में खासकर महाराष्ट्र में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं. कोविड 19 के प्रसार को रोकने के लिए देश भर में 3 मई तक के लिए लॉकडाउन लगा हुआ है. इसके चलते शराब की दुकानें और छोटे बड़े होटल भी बंद हैं. अब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) को पत्र लिखकर राज्य में सभी शराब दुकानें खोलने की मांग की है. उन्होंने कहा है कि राज्य की आर्थिक स्थिति खराब हो रही है. शराब बिक्री से राजस्व प्राप्ति होती है. ऐसे में इन्हें खोलना ठीक रहेगा. इससे पहले राज ठाकरे ने कहा था कि लॉकडाउन के कारण राज्य का खजाना तेजी से खाली हो रहा है. राज ठाकरे ने पत्र में इस बात का उल्लेख किया है कि उनकी मांग राज्य के राजस्व को ध्यान में रखते हुए की गई है. शराब की दुकानों को शुरू करने का मतलब पीने वालों के बारे में सोचना नहीं है, बल्कि राज्य के घटते राजस्व के बारे में सोचना है. यह राज्य के राजस्व का मामला है, जो पूरे जोरों पर है. 'शराब की दुकानों से होने वाला राजस्व बहुत बड़ा है और राज्य को अब इसकी सख्त जरूरत है.' इसके साथ ही राज ठाकरे ने मुख्य रूप से आम आदमी की जरूरतों को देखते हुए होटल कारोबार भी फिर से शुरू करने की मांग की है. वे भी सोशळ डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए अपना काम शुरू करें. राज ठाकरे ने मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र की तस्वीरें ट्वीट कीं. राज ने कहा, 'आज पिछले ३५ दिनों से महाराष्ट्र में रेस्तरां और होटल पूरी तरह ठप हैं. होटल मालिकों और कर्मचारियों के साथ-साथ आम जनता पर भी इसका असर पड़ा है. ये होटल आम लोगों के लिए अब जरूरत हैं. ऐसे होटल और रेस्तरां की रसोई शुरू करने की आवश्यकता है.' उन्होंने कहा, 'इन छोटे रेस्तरां और होटलों की संख्या बहुत बड़ी है. ऐसा इसलिए है क्योंकि राज्य की बड़ी आबादी इन होटलों में मिलने वाली कम कीमत की चावल की प्लेटों पर निर्भर करती है.' उन्होंने कहा है कि इन सब गतिविधियों से राज्य सरकार की कमाई होगी.

– 'सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए खुलें दुकानें'

राज ठाकरे ने कहा है कि एक महीने पहले लॉकडाउन लागू होते ही शराब की दुकानें बंद की गई थीं. अब इन्हें सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए खोला जा सकता है. इस समय राज्य सरकार को किसी नैतिक मुद्दे पर फंसने की बजाय मुश्किल वक्त में जरूरी फैसला लेना चाहिए। राज ठाकरे ने पत्र में आगे लिखा है, 'मुश्किल का सामना करते हुए हल निकालने की जरूरत है। ३ मई तक चलने वाले लॉकडाउन के कारण राज्य का खजाना तेजी से खाली हो रहा है।'

नई दिल्ली में गुरुवार को दिल्ली गेट रोड पर कोरोना वायरस के फैलाव को रोकने के लिए ड्रेनेज की सफाई करते दिल्ली नगर निगम के कर्मचारी।

कोटा से लौटे 18 विद्यार्थियों को किया होम कोरंटाईन

कलेक्टर ,एसपी ने की मुलाकात कर दी सार्थक एप्प स्टॉल करने की सलाह

खरगोन । कोरोनावायरस की रोकथाम के लिए लगाए गए लॉक डाउन के दौरान राजस्थान के कोटा में फंसे छात्रों को मध्यप्रदेष सरकार द्वारा विषेश बसों से लाया गया। जिले के विभिन्न क्षेत्रों रहने वाले करीब 18 छात्र. छात्राएं लौटे, जिन्हें कोरंटाईन किया गया है। प्रषासन ने स्वास्थ्य विभाग की टीम भेजकर इन छात्रों की स्क्रीनिंग भी कराई है।

क्रीड़ा अधिकारी अष्विन गुप्ता ने बताया जिले के विभिन्न क्षेत्रों के कुल 18 छात्र.छात्राएं है, जिसमें 13 छात्र एवं 5 छात्राएं कोटा से लौटे है। इन्हें अभी आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित षासकीय कन्या आश्रम (अंग्रेजी माध्यम) प्राथमिक विद्यालय खरगोन में ठहराया गया है।

कलेक्टर गोपाल चंद्र डाड, एसपी सुनील पांडेय एवं एसडीएम अभिशेक गेहलोत ने भी विद्यार्थियों से आश्रम में पहुंचकर मुलाकात की और उन्हें सार्थक नामक एप डाउनलोड कर उसे स्टॉल करने की सलाह दी।

अफसरों ने बताया कि इस एप्प के माध्यम आप 24 घंटे प्रषासन की नजर में रहेंगे। जिससें आप के स्वास्थ्य से जुड़ी हर खबर हम तक पहुँच सकेगी। वहीं उन्होंने त्वरित रूप से स्वास्थ्य अमले को निर्देषित करते हुए जांच कर सेम्पल लेने की बात कही। कलेक्टर श्री डाड ने कहा आप को 14 दिन तक होम कोरोनटाइन में सबसे अलग रहना है।

बिहार में कोरोना वायरस के छह नए मामले, 176 लोगों में फैला संक्रमण

पटना । बिहार के मुंगेर जिले में शुक्रवार को कोरोना संक्रमण के छह नये मामले सामने आने के साथ ही प्रदेश में कोविड–19 के संक्रमण के मामले बढ़कर 176 हो गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव संजय कुमार ने बताया कि मुंगेर जिले में जमालपुर के सदर बाजार में कोरोना वायरस संक्रमण के जो मामले सामने आए हैं उनमें दो पुरुश (52 एवं 70 वर्श), 10 वर्श का एक लड़का तथा तीन महिलाएं (18, 48 एवं 60 वर्श) षामिल हैं। उन्होंने बताया कि ये लोग पहले से संक्रमित एक व्यक्ति के संपर्क में आए। इन लोगों के अन्य संपर्कों के बारे में पता लगाया जा रहा है।

गौरतलब है कि पटना एम्स में कोरोना वायरस से संक्रमित मुंगेर जिला निवासी एक मरीज की गत 21 मार्च को तथा वैषाली जिला निवासी एक मरीज की पिछले षुक्रवार को मौत हो गयी थी। बिहार में अब तक कुल 38 जिलों में से 18 में कोविड–19 के मामले प्रकाष में आए हैं। राज्य में संक्रमण के मामले अब तक सबसे अधिक मुंगेर में 37, इसके बाद नालंदा में 31, सिवान में 30, पटना में 24, बेगुसराय में 9, बक्सर एवं कैमूर में आठ–आठ, रोहतास में सात, गया एवं भागलपुर में पांच–पांच, गोपालगंज एवं नवादा में तीन–तीन तथा सारण, लखीसराय, वैषाली, भोजपुर, बांका एवं पूर्वी चंपारण में एक–एक मामले प्रकाश में आए हैं।

ओमान से लौटे सिवान निवासी एक मरीज के संपर्क में बीते दिनों आने से अब तक 23 लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुश्टि हो चुकी है। वहीं कतर से लौटे मुंगेर निवासी एक मरीज, जिसकी 21 मार्च को पटना एम्स में मौत हो गयी थी, के संपर्क में आए 11 लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुश्टि हुई थी। बिहार में अब तक कोरोना वायरस के 14,924 संदिग्ध नमूनों की जांच की जा चुकी है और 44 मरीज ठीक हो चुके हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दूसरों की भलाई के लिए प्रेरित करता है रमजान

''खुदा के प्रति फरमावदारी का ऐसा उत्साह आम दिनों में नहीं देखा जा सकता है, जैसा माह रमजान में नजर आता है प्यास की सख्त शिद्दत, भूख के बावजूद रोजेदार खुशी-खुशी ना केवल इवादत तिलावत करते है, बल्कि यथासम्भव दूसरों की भलाई कर अपने रब को राजी करते है।''

रोजा तकवा परहेजगारी सिखाता है लगातार १५-१६ घण्टे भूखे व प्यासे रहने से गरीबों की भूख प्यास का अहसास होता है, जिससे सामाजिक परोपकार की भावना को बल मिलता है। रोजेदार दुनिया में कही भी कितना ही एकान्त में रहे भूख-प्यास की कितनी ही शिद्दत हो, लेकिन मजाल है कि वोह पानी का एक कतरा भी हलक में उतारे, क्योंकि उसका भरोसा है कि खुदा देख रहा है खुदा के प्रति फरमावरदारी का यही जज़्वा रोजेदार को ना केवल अच्छा इंसान बनाता है बल्कि यही जज़्वा उसे सेवा के लिए प्रेरित करता है।

एक निश्चित समय तक खाना पीना छोड़ देने का नाम रोजा नहीं है बल्कि रोजे के दौरान खुद को बुरे कामों से रोकना है। यहां तक कि बुरा देखना सुनना भी सख्त मना है इतना ही नहीं बल्कि दिल में ऐसी बातों का ख्याल भी नहीं आना चाहिए जो रोजे की मूल भावना के विपरीत हो।

दरअसल रोजे मुसलमानों पर फर्ज किए गए है, इस्लामी माह रमजान का पैगम्बरे इस्लाम बेसब्री से इंतजार करते थे खुदा की रहमतों, बरकतों एवं इबादत की बारिश का ऐसा महीना जिसमें चारों तरफ नूर ही नूर नजर आता है अमीर गरीब छोटे-बड़े , काले गोरे का भेद भुलाकर लोग एक साथ सेहरी, इफ्तार एवं इवादत करते हैं, इससे एक दूसरे के सुख-दुख को बांटने और समाज कल्याण की मानवता को बढ़ावा मिलता है।

रोजा इंसान से प्रेम, भाईचारा, दया, करुणा, हमदर्दी, माफी और मदद की भावना को प्रोत्साहित करता है। साल के ११ महिनों की अपेक्षा इस माह में लोग ज्यादा से ज्यादा गरीब, बेसहारा लोगों की मदद को आगे आते है, हर रोजेदार इस बात की कोशिश करता है कि हर जरुरतमंद (चाहे वह किसी भी धर्म का हो) की यथा सम्भव मदद की जा सके क्योंकि हर नेक कामों का सवाव (पुण्य) आम दिनों से ज्यादा सत्तर गुना मिलता है।

रोजा इसान को गुनाहों से बचाता है उसके दिल में खुदा का ऐसा खौफ रहता है कि वे खुद को हर तरह के अपराध, अत्याचार, भ्रष्टाचार, लड़ाई, झगड़े, गीवत (चुगलखोरी), झूठ और गुस्से से बचाता है।

बेशक रमजान बड़ी अजमत बरकत और रहमतों वाला महीना है। इसी माह की रात (शबे कद्र) को हजार रातों से बेहतर बनाया गया है। रमजान में ही खुदा ने कुरान पाक का नायाब तोहफा अता किया जो सारी सृष्टि के लिए आदर्श है। पैगम्बरे इस्लाम ने रमजान के आमद की खुशखबरी देते हुए कहा है कि जो नियमों को साथ रमजान में पूरे रोजे रखे उसके अगले पिछले तमाम गुनाह माफ कर दिए जाते है। वो इस तरह पाक साफ हो जाता है, जिस तरह माँ के पेट से पैदा होने वाला बच्चा। शबे कद्र की रात में इबादत तिलावत करने से भी गुनाह माफ कर दिए जाते है।

कोरोना के चलते जिम्मेदारी ज्यादा बढ़ी

मौजूद हालात में जब कोरोना ने सारी दुनिया को जकड़ कर रखा है ऐसे हालात में रोजदारों की जिम्मेदारी और ज्यादा बढ़ जाती है उन्हें अपनी रब की रजा के लिए उसूलों का पाबंद रहकर रोजे रखने के साथ ही कसरत से इबादत, तिलावत, दान पुण्य जैसे कार्यों को खूब करना चाहिए। लेकिन ये सब घर में ही रहकर करना चाहिए, घर में ही नमाज पढ़े, तिलावत करे, सहरी करे, अफ्तार करे और परिवार समाज और देश के लिए दुआएं करे कि खुदा हम सब को कोरोना जैसी महामारी से सुरक्षित रखे-।

केन्द्र से मिल रहे सहयोग को छुपा रही राज्य सरकार – देवनानी

- आपसी सहयोग-समन्वय से ही लड़ पाएंगे कोरोना से, केन्द्र से अनावश्यक टकराव लेकर राजस्थान का अहित कर रही राज्य सरकार
- अपनी कमियां ढकने के लिए केन्द्र की आलोचना का सहारा
- केन्द्र से मिला सहयोग व राज्य द्वारा अपने मद से अब तक किये व्यय की जानकारी दे जनता को
- यह समय नहीं है अपनी राजनीति चमकाने का

अजमेर (ईएमएस)। पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री एवं विधायक अजमेर उत्तर वासुदेव देवनानी ने राज्य सरकार पर केन्द्र से मिले सहयोग को छुपाने का आरोप लगाया। देवनानी ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि केन्द्र व राज्य के आपसी सहयोग व समन्वय के बिना इन कठिन परिस्थितियों में कोरोना से लड़ना सम्भव नहीं हैं तथा केन्द्र से अनावश्यक टकराव लेकर राज्य सरकार राजस्थान का अहित कर रही है।

देवनानी ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपनी कमियां व राज्य सरकार के कुप्रबंधन को ढ़कने के लिए बार-बार केन्द्र की आलोचना कर रहे है जबकि केन्द्र सरकार से प्रदेश को भरपूर सहयोग मिल रहा है। केन्द्र सरकार ने ४० हजार मेट्रिक टन गेहूं दिया है, क्या मुख्यमंत्री बताएंगे कि इसके अतिरिक्त कितना गेहूं राज्य सरकार ने अपने पैसे से बांटा है। इसके अतिरिक्त १० हजार करोड रूपये मनरेगा में, उज्जवला योजना में ६२ लाख महिलाओं को तीन माह की गैस, किसान सम्मान निधि में प्रदेश के ६४ लाख किसानों को २ हजार के हिसाब से ८७० करोड, राज्य के १ करोड ५२ खाताधारकों को ५०० रूपये, आपदा राहत में ६७० करोड रूपये तथा चिकित्सा में १७८० करोड़ रूपये अब तक दिये है।

देवनानी ने कहा कि राज्य सरकार केन्द्र के सहयोग को छुपा कर अपनी राजनीति चमकाने का प्रयास कर रही है जबकि इसके लिए यह समय नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारी विपत्ति का दौर है ऐसे समय में कांग्रेस को ओछी राजनीति के बजाय प्रदेश की जनता को कैसे सुरक्षित रखा जाए इस पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। मुख्यमंत्री गहलोत को केन्द्र से सहयोग मांगने से पहले प्रदेश की जनता को यह बताया चाहिए कि कोरोना से उत्पन्न परिस्थितियों से निपटने के लिए अब तक केन्द्र से किस-किस मद में क्या सहयोग मिला है तथा इस दौरान राज्य सरकार ने अपने स्तर पर विभिन्न मदों में कितनी राशि व्यय की है तथा क्या-क्या कार्य कराये है।

तुष्टीकरण की नीति छोडे कांग्रेस-

देवनानी ने कहा कि कांग्रेस को अपनी तुष्टीकरण की नीति को छोडकर कोरोना पर नियंत्रण के लिए राज्य सरकार को तबलीगी जमात के खिलाफ सख्ती बरतते हुए कठोर कार्यवाही करनी चाहिए। अभी भी तबलीगी जमात के लोग कई क्षेत्रों में छुपे हुए है जो कि प्रदेश के लिए बडा खतरा बन कर सामने आ सकते है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की तुष्टीकरण की नीति के चलते यदि राजस्थान सरकार ने इनके खिलाफ सख्त कदम नहीं उठाये तो भविष्य में गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते है।

चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा की टिप्पणी अशोभनीय-

देवनानी ने चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में की गई टिप्पणी व अनर्गल आरोपों को अशोभनीय बताते हुए कहा कि वर्तमान हालातों में भी चिकित्सा मंत्री प्रदेश की चिकित्सा व्यवस्थाओं को संभालने के स्थान पर देश के प्रधानमंत्री पर मनगढंत आरोप लगा रहे है जबकि सम्पूर्ण विश्व के नेता मोदी जी द्वारा उठाये गये कदमों की सराहना कर रहे है।

कांग्रेस का स्वतंत्र पत्रकारिता पर हमला-

देवनानी ने रिपब्लिक टीवी के एडिटर अरनब गोस्वामी पर एफआईआर दर्ज कराकर कांग्रेस द्वारा घेरने के प्रयास की निंदा करते हुए उन पर किये गये हमले को भी गलत बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का यह प्रयास स्वतंत्र पत्रकारिता पर हमला है जो कि इनकी तुष्टीकरण की मानसिकता को भी दर्शाता है।

युवक ने पेड़ पर किया अपने आप को क्वारंटाइन

जयपुर । कोरोना संक्रमण से लोग इतने भयभीत है कि आमआदमी में धारणा बन गई है कि क्या पता कौन, कब, कहां से संक्रमण का शिकार व्यक्ति अपने बीच आ जाएं इसलिए बतौर जागरूकता भीलवाड़ा के शेरपुरा गांव निवासी २४ वर्षीय एक युवक कमलेश मीणा का सामने आया है जिसे गांव वालों ने गांव में नहीं घुसने दिया तो उसने अपने आप को गांव से पेड़ पर मचान बनाकर क्वारंटाइन कर लिया।

कमलेश मीणा भी गांव से बाहर जाने को तैयार नहीं हुआ। इस मुद्दे को लेकर ग्रामीण दो पक्षों में बंट गए। आखिरकार सूचना पर मेडिकल टीम मौक पर पहुंची। मेडिकल टीम ने युवक के सैंपल लेने के साथ ही अन्य जांचें भी की। मेडिकल टीम कमलेश मीणा को अपने साथ भीलवाड़ा ले जाने लगी तो ग्रामीणों ने उसे रोक लिया। जद्दोजहद के बाद तय किया गया कि गांव से करीब किलोमीटर दूर खेत में पेड़ पर मचान बनाकर यह युवक १४ दिन तक रहेगा। पेड़ से सटाकर लकड़ी की सीढ़ी लगाई गई है जिसके सहारे वह शौच आदि के लिए उतर सकता है। मेडिकल टीम प्रतिदिन उक्त संक्रमित की जांच करती है जिस पर जिला कलेक्टर राजेन्द्र भट्ट ने जानकारी देते हुए कहा कि युवक स्वस्थ्य है।

५ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के १८ हजार कोचिंग छात्र सकुशल घर पहुंचे

जयपुर। कोरोना संकट और लॉकडाउन के चलते कोचिंग हब के रुप में प्रसिद्ध कोटा में फंसे लगभग १८,००० कोचिंग छात्र अपने-अपने घर सकुशल लौट चुके हैं। लॉकडाउन की घोषणा के बाद मेडिकल (नीट) और इंजीनियरिंग प्रवेश (जेईई) परीक्षा की कोचिंग ले रहे करीब ४०००० छात्र कोटा में अटक गये थे। अब तक वहां से पांच राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के करीब १८ हजार विद्यार्थी अपने-अपने घर जा चुके हैं।

उनमें उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड के करीब १२ हजार ५००, मध्यप्रदेश के २८००, गुजरात के ३५० तथा दादरा एवं नागर हवेली के ५० बच्चे शामिल हैं। इसी प्रकार कोटा संभाग के अन्य जिलों के २२०० बच. चों को भी सकुशल उनके घर पहुंचाया गया है। कोटा से शुक्रवार को हरियाणा के १०००, असम के ४०० तथा राजस्थान के वि. भन्न जिलों के १५०० बच्चे अपने-अपने घरों के लिए रवाना होंगे। इसी तरह शनिवार को हिमाचल प्रदेश के १००, राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों के ५०० बच्चे बसों से तथा ३०० बच्चे अपने निजी साधनों से घर जाएंगे। कोटा जिला प्रशासन ने घर लौटने के इच्छुक राजस्थान के अन्य जिलों के कोटा में पढ़ रहे कोचिंग विद्यार्थियों के लिए एक गूगल फॉर्म एचटीटीपी/बिआ. ईटी.एलवाई/राजऋस्टूडेंटऋघरऋवापसी जारी किया है। इस पर ऐसे छात्र को अपना मोबाइल नंबर, का. `चिंग आईडी प्रूफ तथा जिस माध्यम से वह घर जाना चाहता है, उसे दर्शाना होगा। साथ ही एक हेल्पलाइन नंबर भी शुरू की गई है।

इस पर अपने घर जाने के इच्छुक कोटा के कोचिंग छात्र सम्पर्क कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि लॉकडाउन की घोषण ा के बाद से ही कोटा में लगभग ४० हजार कोचिंग विद्यार्थी फंस गए थे। एक सरकारी बयान के अनुसार अभी भी बिहार के करीब ११ हजार, झारखण्ड के ३ हजार, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ के २५००-२५०० बच्चे, महाराष्ट्र के १८०० एवं ओडिशा के करीब एक हजार बच्चे कोटा में मौजूद हैं। जम्मू-कश्मीर से बच. चों की सकुशल वापसी के लिए वार्ता की जा रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपील की है कि जिन राज्यों के बच्चे अभी कोटा में हैं, वे भी मानवीय आध ार पर उन्हें अपने-अपने परिवार के पास ले जाने के लिए राज्य सरकार का सहयोग करें।

पुष्पवर्षा कर किया कोरोना योद्धाओं का स्वागत
समाज के सच्चे हितैषि है कोरोना योद्धाः-राणावत

साण्डेराव। कोरोना वायरस से हमारी जान बचाने के दिन रात ड्यूटी कर रहे पुलिस, चिकित्सकों और सफाई कर्मचारियों का गुरूवार को जनप्रतिनिधियों के साथ ग्रामीणो ने पुष्प वर्षा के साथ माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

साण्डेराव सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में गुरूवार को सुबह वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ मोहन लाल चौधरी, हसमुख सैन,रमेश कुमार, शहजाद खान, छोगाराम,महावीर मेवाड़ा, आरिफ खान, धापुदेवी का मारवाड़-गोड़वाड जन कल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष एवं कांग्रेस पार्टी के युवा नेता जयदेव सिंह राणावत के साथ विभिन्न जनप्रतिनिधियों,ग्रामीण ाो तथा समाजसेवी संस्थाओं से जुड़े लोगों ने कोरोना योद्ध ाओं का फुलमालाओ से स्वागत कर उनका उत्साह वर्धन किया गया। इस दौरान जयदेव सिंह राणावत ने कहा कि चिकित्साधि ाकारी डॉ मोहन लाल चौधरी के स्वास्थ्य कर्मचारियों की पूरी टीम पिछले एक महीने से दिन-रात अपनी जान की परवाह किए बिना लोगों के स्वास्थ्य परिक्षण कर उनका इलाज कर रहे हैं वहीं कोरोना संक्रामण लॉक डाउन के चलते विभिन्न समाचार-पत्रों से जुड़े पत्रकारों तथा वितरकों के साथ सफाई कर्मचारी भी सफाई व्यवस्था के साथ सैनिटाइज आदि कहीं तरह कार्य उनके द्वारा किए जा रहे हैं ऐसे में इन कोरोना योद्ध ा सम्मान के प्रतिक है।राणावत ने लॉक डाउन अवधि में ग्रामीणो से अपने घरों में परिवारजनो के साथ रहने तथा बेवजह घरों से बाहर नही निकलने की अपील की। ग्रामीणो के साथ इस टीम द्वारा थानाधिकारी धोलाराम परिहार के सानिध्य में गश्त कर रहे पुलिस कर्मियों,पत्रकार नटवर मेवाड़ा, सरपंच दाखुदेवी भील, ग्राम विकास अधिकारी चेतन राम राव,प्रध ाानाचार्य उमेश खाट, विक्रम सिंह, दिनेश सिंह सिसोदिया, गोविन्दराम,सुरेश लुहार के साथ सभी बीएलओ व समा. चार पत्रों से जुड़े पत्रकारों तथा वितरकों का ग्रामीणों ने मक. ानों की छत पर चढ़कर पुष्प वर्षा की,इस सभी कोरोना योद्ध ाओं पर पुष्प वर्षा करने वालों में कांग्रेस नेता जयदेव सिंह राणावत,सोहन लाल कलाल,जगदीश सुथार,गौतम कुमार गेमावत,विक्रम मेवाड़ा,विपिन पुरी गोस्वामी,गणेश मेगवाल आदि का कहना था कि कोरोना जैसी महामारी से हमें बचाने के लिए पुलिस दिन रात भागदौड़ कर रही है। ऐसे में इन योद्धाओं का सम्मान दिल से किया जाना चाहिए।

मालवीय लोहार समाज के लोहारी काम करने वाले कर रहे हैं आर्थिक संकट का सामना।

साण्डेराव। मारवाड़-गोड़वाड क्षेत्र में कोरोना संक्रामण लॉक डाउन के चलते पिछले एक महीने से सभी लोगों के लॉक डाउन में होने से सभी के काम बंद रोजगार बंद कमाई बंद लोहार समाज के हज. ारों कारीगर मजदूर जिसमें लोहे की जाली खिड़की, बनाने वाले स्टील फर्नीचर बनाने वाले, पाइप पलंग बनाने वाले, इंजीनियरिंग काम करने वाले, मजूस कोठिया पेटीया बनाने वाले, रिपेयरिंग काम करने वाले, वेल्डिंग डेंटिंग पेंटिंग काम करने वाले, इमारती व शिल्पी काम करने वाले, एसएस फर्नीचर काम करने वाले हैं! इत्यादि छोटे-मोटे कार्य करने वाले हैं! इस व्यवसाय से जुड़े हजारों परिवार पोषण करते हैं! और कोरोनावायरस के कारण सब धंधे ठप पड़े हैं! जिसमें समाज के लगभग सभी आयु वर्ग के लोग कार्य करते हैं! अनचाही विपदा से घरों में रहने पर मजबूर हैं! लोहे से जुड़े हजारों कारखानो पर ताला लगा है! ऐसे में कमाई का सारा गणित गड़बड़ा गया है! काम बंद है तो रोज दिहाड़ी पर काम करने वाले हजारों कारीगर व मजदूरों पर रोजी रोटी का भयानक संकट आज खड़ा हुआ है! दर्द के साथ कहते हैं! तेजी मंदी तो बहुत देखी हैं! पर ऐसा दौर कभी नहीं देखा अब सब काम बंद हैं! तो यह संकट आर्थिक रूप से बहुत कमजोर कर रहा है! कहते हैं लॉक डाउन में ठप हैं यह संकट खत्म होगा तब भी लंबा समय लगेगा! सही तरीके से काम, कमाई फिर से शुरू होनेमें और कमा. ईका संकट बहुत परेशानी भरा है!

लापोद निवासी मांगीलाल कोरोना की जंग जीत कर पहुंचा अपने गांव, परिवारजनो ने कुंकुम का तिलक लगा कर स्वागत।

साण्डेराव। लापोद गांव के मांगीलाल जी कोरोना को हराकर वापस आपने गांव सकुशल वापसी करने पर चिकित्सा विभाग के उपमुख्य चिकित्सा एव स्वास्थ्य अधि ाकारी डॉक्टर विकास मा. रवाल एव ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर शरद सक्सेना ने कुशल क्षेम के साथ होम क्वारन्टीन रहने का निर्देश प्रदान करते हुए स्क्रीनिंग टीम के इंचार्ज डॉक्टर सुरेंद्र यादव एव मेलनर्स रत्न सिंह, मदन लाल,को पाबन्द किया कि नियमित स्वास्थ्य परीक्षण किया जाना सुनिश्चित करे। जिला अपीडिमोलॉजिस्ट डॉक्टर अंकित माथुर एव ब्लॉक् कार्यक्रम प्रबन्धक प्रमोद कुमार गिरी सरपंच प्रतिनिधि पवन पाल सिंह एव एडवोकेट नारायण लाल कुमावत उपस्थित रहे ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोषागार से राशि निकासी नहीं होने की वजह से प्रवासी श्रमिकों के खाते में नहीं जा रहा है दो -दो हजार : लंबोदर महतो

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव एवं गोमिया के विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का ध्यान कोषागार से राशि नहीं निकासी होने की ओर आकृष्ट कराया है और कहा है कि इसी वजह से प्रवासी श्रमिकों के खाते में दो -दो हजार नहीं जा पा रहा है। उन्होंने इस बाबत मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है और उनसे इस मामले में आवश्यक कारवाई करने का आग्रह किया है ताकि प्रवासी श्रमिकों के खाते में भुगतान सुनिश्चित हो जाए। डॉ. लंबोदर महतो कहा मुख्यमंत्री मानव सेवा योजना के तहत प्रत्येक विधायकों को २५ -२५ लाख विधायक निधि में दी गई है। कई विधायकों ने इस राशि में से प्रवासी श्रमिकों के खाते में दो -दो हजार भेजने की अनुशंसा भी कर दी है। लेकिन श्रमिकों के खाते में यह राशि नहीं जा पा रहा है। ऐसा इसलिए हो रहा है कि कोषागार से राशि की निकासी नहीं हो पा रही है। जिसके कारण समस्या यथावत बनी हुई है। उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा है कि इस विषय पर समुचित कार्रवाई किए जाने की जरुरत है ताकि श्रमिकों को सहायता राशि मिल सके। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री से यह भी आग्रह किया है कि जिन प्रवासी श्रमिकों ने मुख्यमंत्री विशेष सहायता ऐप में अपना निबंधन कराया है, उनके खाते में यथाशीघ्र राशि स्थानांतरित कराई जाए।

शोध कार्य हेतु सी.एम.एस. छात्र का १०० प्रतिशत स्कॉलरशिप के साथ एम.आई.टी., अमेरिका में चयन

लखनऊ । सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर (प्रथम कैम्पस) के छात्र मनन भाटिया को गणित में शोध कार्य हेतु अमेरिका के प्रतिष्ठित मैसाचुसेट्स इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.आई.टी.) द्वारा १०० प्रतिशत स्कॉलरशिप के साथ चयनित किया गया है। इसके अलावा, बर्कले, कोलम्बिया एवं यू.सी.एल.ए.एन.यू. के विश्वविद्यालयों द्वारा भी मनन को शोध कार्य हेतु आमन्त्रित किया गया है। इस प्रकार, सी.एम.एस. के बेहद प्रतिभाशाली छात्र रहे मनन भाटिया ने अपने शैक्षणिक ज्ञान व प्रतिभा के बलबूते विद्यालय का नाम विश्व स्तर पर गौरवान्वित किया है।

सी.एम.एस. गोमती नगर (प्रथम कैम्पस) की प्रधानाचार्या श्रीमती आभा अनन्त ने बताया कि मनन भाटिया सदैव ही विद्यालय के बेहद प्रतिभाशाली छात्रों में शामिल रहे हैं, जिन्होंने न सिर्फ शैक्षिक क्षेत्र में अपितु खेल व अन्य एक्स्ट्रा-करीकुलर एक्टिविटीज में अग्रणी रहे हैं।वर्तमान में मनन भाटिया इण्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ साइन्सेज, बंगलूरू के फाइनल ईयर के छात्र हैं, साथ ही इण्टरनेशनल सेन्टर फॉर थ्योरोटिकल साइन्सेज, टाटा इन्स्टीट्यूट ऑफ फंडामेन्टल रिसर्च से अपना शोध कार्य भी कर रहे हैं। गणित की प्रोबैबिलिटी थ्योरी में उनकी विशेष रूचि है।

सी.एम.एस. संस्थापक डा. जगदीश गाँधी ने मनन भाटिया की अभूतपूर्व उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि सी.एम.एस. की शिक्षा अपने विद्यार्थियों को वैश्विक कैरियर चुनने के योग्य बनाती है। प्रत्येक वर्ष सी.एम.एस. के हजारों छात्र विदेश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में उच्चशिक्षा हेतु चयनित होते हैं।

५०००० का ईनामी, दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

मुरैना । कैलारस थाना क्षेत्र के नेपरी गांव में कुछ दिन पूर्व नाबालिक बच्ची के साथ दुष्कर्म किया गया था। जिसके बाद आरोपी फरार हो गया थ। १० वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी पर पुलिस अधीक्षक के द्वारा ५०००० का इनाम घोषित किया गया था। जिसके बाद पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने नेपरी गांव के करीब १८ से ४० वर्ष के १५०० लोगों की सूची बनाई ।जिसमें नशा करने वाले करीब २०० लोगों को थाने में ले जाकर उनकी पिटाई लगाई गई और करीब ७०० युवाओं की वीडियो कॉलिंग के द्वारा परेड कराकर पीडिता को शक्ल दिखाई गई। नाबालिग आरोपी की उम्र और हुलिया बताने के बाद पुलिस ने खोजबीन शुरू कर दी। जिसके बाद नेपरी गांव में युवाओं की पहचान के दौरान आरोपी के भाई मातादीन व राजकुमार को सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से पहचान कराई गई तो एक भाई को देखकर पीडिता ने कहा कि उस आरोपी का हुलिया ऐसा ही है, जिसने मेरे साथ बुरा काम किया है। क्योंकि आरोपी की शक्ल उस लड़के से मिलती-जुलती थी। पुलिस ने सभी एंगल से तेजी से काम किया तो मातादीन व राजकुमार के भाई कन्हैया को पीडिता के समक्ष पेश किया तो विश्वास के साथ पीडिता ने कहा कि यही वो लड़का है जिसने मेरे साथ बुरा काम किया है ।इसके बाद कन्हैया से कड़ी पूछताछ की गई तो कन्हैया ने कहा कि मैंने शराब के नशे में नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया है और उसे मोबाइल का लालच देकर खेत में ले गया था। पुलिस ने आरोपी का डीएनए टेस्ट कराने के बाद दुष्कर्म के खिलाफ अन्य मामलों के तहत मामला दर्ज किया है ।पुलिस अधीक्षक ने पूरी टीम को पुरुस्कार देने की घोषणा की हैं।

दिवंगत कोरोना योद्धा टिंकू रावत के परिजनों को भेंट किया गया ५१ लाख का चेक

विभागीय निधि सहित पुलिस परिवार के सदस्यों ने भी दी करीब १ लाख की सहायता राशि

भोपाल। कोरोना संक्रमण से जारी लड़ाई के दौरान दुर्घटना का शिकार हुए पुलिस विभाग के एक होनहार जवान ३० वर्षीय आरक्षक टिंकू रावत को मुख्यमंत्री कोविड-१९ योद्धा कल्याण योजना के तहत शासन द्वारा सहायता स्वरूप ५० लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। दिवंगत आरक्षक के परिजनों को पूर्व में ही विभाग की ओर से १ लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई थी, साथ ही अन्य मदों से प्राप्त होने वाले देय स्वत्वों के अतिरिक्त विभागीय साथी कर्मचारियों द्वारा दिवंगत आरक्षक के परिजनों की सहायता हेतु करीब ६३ हजार रुपये एकत्रित कर उनके परिजनों को दिए गए हैं। इस मौके पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक भोपाल ज़ोन उपेंद्र जैन ने बताया कि निश्चित रूप से यह क्षति अपूरणीय है, परंतु कोरोना योद्धा को शासन द्वारा दी जा रही सहायता राशि उनके परिजनों के लिए अत्यंत आवश्यक है। उनके लिए इस दुःख की घड़ी में पुलिस प्रशासन उनके साथ खड़ा है। उन्होंने बताया कि दिवंगत आरक्षक की शादी को अभी कुछ ही समय हुआ था, और उनके छोटे छोटे बच्चे भी हैं। इस सहायता राशि के द्वारा उनके पालन पोषण में यह विभाग एवं शासन की ओर से एक योगदान है।

गया में पंडित खुद कर रहे पिंडदान, नहीं किया तो जाग जाएगा गयासुर

गया । लॉकडाउन ने देश में सभी गतिविधियों को ठप कर दिया है। गया भी इससे अछूता नहीं है। यह शहर पिंडदान के लिए विख्यात है। कहा जाता है कि अगर एक भी दिन यहां पिंडदान नहीं हुआ तो गयासुर नाम का राक्षस जाग जाएगा। इस राक्षस को शांत रखने अब यहां के पंडित खुद अपना ही पिंडदान कर रहे हैं। पितरों को मोक्ष दिलाने के लिए यहां पखवाड़े भर से कोई भी नहीं आया। मान्यता है कि मंदिर में रोज कम से कम एक मुंड और एक पिंड का तर्पण अनिवार्य है। मुंड, यानी मंदिर के पास श्मशान में एक शवदाह और पिंड यानी मंदिर में किसी एक व्यक्ति द्वारा पिंडदान।

यह है गयासुर की मान्यता

शास्त्रों और पुराणों के हवाले से पंडा समाज के लोग बताते हैं कि गयासुर को भगवान विष्णु से मिले वरदान के बाद से ही यह परंपरा सनातन काल से चली आ रही है। वे कहते हैं- गयासुर की यह इच्छा जिस दिन पूरी नहीं होगी, वह पुनः प्रकट हो जाएगा। लॉकडाउन में पितरों के तर्पण के लिए कोई आ नहीं रहा। शवदाह के लिए भी लोगों को श्मशान तक पहुंचने में दिक्कत हो रही है। पिंडदान का क्रम टूटने से गयासुर जागे नहीं, इसलिए गयापाल पंडा समाज ने ही २२ अप्रैल से पिंडदान की जिम्मेदारी खुद उठा ली है।

तबलीगी जमात से लिंक, इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर मोहम्मद शाहिद सस्पेंड

इलाहाबाद । इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर मोहम्मद शाहिद विश्विद्यालय से निलंबित किये हैं। सूत्रों के अनुसार प्रोफेसर तबलीगी जमात में शामिल हुए थे। महामारी के इस दौर में यह जानकारी छुपाने पर उनको पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। प्रयागराज जिले के शिवकुटी थाने में प्रोफेसर शाहिद के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। जिला प्रशासन की अधिकृत सूचना मिलने के बाद केंद्रीय सेवा नियमावली के अनुरूप उनके निलंबन की कार्रवाई की गई है। सूत्रों के अनुसार इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर शाहिद और १६ विदेशी जमातियों सहित कुल ३० लोगों को गिरफ्तार किया था। विदेशियों की गिरफ्तारी फॉरेनर्स एक्ट के तहत दर्ज मामले में की गई थी, जबकि प्रोफेसर शाहिद को जमातियों को चोरी-छिपे शहर में शरण दिलाने के आरोप और महामारी एक्ट के तहत दर्ज केस में गिरफ्तार किया गया था।दरअसल, पुलिस की ओर से बार-बार तबलीगी जमात से लौटे जमातियों को सामने आने और क्वारनटीन होने की अपील की जा रही थी। इसके बावजूद प्रयागराज में कई जमाती छिपे थे। इस बाबत पुलिस ने विदेशी नागरिकों और उनके शरणदाताओं के खिलाफ करैली, शिवकुटी और शाहगंज थाने में दर्ज केस दर्ज किया था। शाहगंज पुलिस ने ७ विदेशियों समेत १७ को गिरफ्तार किया हैं। इसके अलावा करैली पुलिस ने ६ विदेशी समेत १२ लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं, शिवकुटी पुलिस ने प्रोफेसर शाहिद को गिरफ्तार किया है। प्रयागराज पुलिस की ओर से अब तक ३० लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

कोटा से छतरपुर पहुंचे ६२ छात्र-छात्रायें

छतरपुर। राजस्थान शहर के कोटा में अध्ययनरत छतरपुर जिले के छात्र-छात्रायें बसों से सकुशल छतरपुर पहुंच गए हैं। यह सभी छात्र/छात्राएं शिवपुरी जिले के कोटा बायपास पर २२ अप्रैल २०२० को बसों द्वारा पहुंचे और यहाँ से उन्हें छतरपुर कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह द्वारा गठित दल के सहयोग से कोटा बायपास शिवपुरी रोड से छतरपुर जिले में ०५ बसों के माध्यम से लाया गया। कुल ६२ छात्र-छात्राओं को कोटा से वापस छतरपुर लाया गया है ।सभी छात्र-छात्राओं एवं परिवार के सदस्यों को छतरपुर बस स्टैण्ड पर रिसीव कर भोजन, पेयजल, चाय-नाश्ता की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई। सभी के फ़ोन में सार्थक एप डाउनलोड कराया गया। इन सभी विद्यार्थियो का स्वास्थ्य परीक्षण कर ८७ विद्यार्थियों को उनके घर भेजकर होम क्वारेंटाइन किया गया है, तथा ५ विद्यार्थियों को बुखार होने के कारण महोबा रोड स्थित क्वारेंटाइन सेंटर में रखा गया है एवं इन पांचो के सैंपल जाँच हेतु जबलपुर भेजे गए हैं।

कोटा में भूख हड़ताल पर बिहार के छात्र सीएम नीतीश कुमार से लगाई वापसी की गुहार

कोटा। यूपी और मध्यप्रदेश सरकार द्वारा अपने छात्रों को लाने के बाद लॉकडाउन के कारण राजस्थान के कोटा में फंसे बिहार के छात्रों ने अपनी घर वापसी के लिए भूख हड़ताल शुरू कर दिया है। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से अपने घर जाने के लिए बसें भेजने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कई दूसरे राज्यों के छात्र यहां से अपने घर जा चुके हैं ऐसे में हमें भी यहां से ले जाने की व्यवस्था की जाए। हालांकि, बिहार सरकार ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि कोटा से छात्रों को लाना फिलहाल संभव नहीं है। लॉकडाउन के कारण कोटा में अटके करीब १८,००० कोचिंग छात्र अपने-अपने घर लौट चुके हैं। लॉकडाउन की घोषणा के बाद मेडिकल (नीट) और इंजीनियरिंग प्रवेश (जेईई) परीक्षा की कोचिंग ले रहे करीब ४०००० छात्र कोटा में अटक गए थे। अब तक वहां से पांच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के करीब १८ हजार विद्यार्थी अपने-अपने घर जा चुके हैं। उनमें उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड के करीब १२ हजार ५००, मध्यप्रदेश के २८००, गुजरात के ३५० और दादरा-नगर हवेली के ५० बच्चे शामिल हैं। इसी प्रकार कोटा संभाग के दूसरे जिलों के २२०० बच्चों को भी सकुशल उनके घर पहुंचाया गया है।

छात्रों ने की बसें भेजने की अपील

वहीं, कोटा में पढ़ाई कर रहे बिहार के छात्रों को वापस बुलाने के लिए नीतीश कुमार सरकार की ओर से अभी कोई कदम नहीं उठाया गया। बिहार के मुख्य सचिव दीपक कमार ने सोमवार को ही एक जवाब में बताया था कि कोटा से बच्चों को बिहार वापस लाना फिलहाल संभव नहीं। यही नहीं कोटा से छात्रों के निकाले जाने के फैसले को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नाराजगी जताई थी। नीतीश कुमार ने राज्यों की ओर से छात्रों को बसों से भेजे जाने को लॉकडाउन का उल्लंघन बताया था। उन्होंने कहा था कि अगर ऐसे कदम उठाए जाने लगे तो लॉकडाउन का मतलब नहीं रहेगा।

कोटा में हैं करीब ११ हजार छात्र

लॉकडाउन की घोषणा के बाद से ही कोटा में लगभग ४० हजार कोचिंग विद्यार्थी फंस गए थे। एक सरकारी बयान के अनुसार अभी भी बिहार के करीब ११ हजार, झारखंड के ३ हजार, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ के २५००-२५०० बच्चे, महाराष्ट्र के १८०० और ओडिशा के करीब एक हजार बच्चे कोटा में मौजूद हैं।

राज्य सरकार ने केंद्र को नहीं भेजे लाभार्थियों के नाम, १४.५ लाख लोगों को नहीं मिल रहा राशन का लाभ : चिराग

पटना । कोरोना वायरस की वजह से पूरे देश में संकट के हालात पैदा हो रहे हैं। आर्थिक गतिविधियों से ठप होने से देश की रफ्तार भी रुक चुकी है। इस बीच सरकार गरीबों को राशन देकर कुछ राहत देने का काम कर रही है। बिहार में बहुत बड़ी आबादी है, जिसका नाम राशन कार्ड से अब तक नहीं जुड़ पाया है, इसकी वजह से इस संकट के दौर में वे इस लाभ से वंचित रह जा रहे हैं।

यही वजह है कि एनडीए के घटक दलों में से एक लोक जनशक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान ने बिहार सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि करीब १४ लाख लोगों का नाम बिहार सरकार को राशन कार्ड धारकों की सूची में जोड़ना था, मगर बिहार सरकार ने केंद्र को अब तक सूची नहीं दी है, जिसकी वजह से उन्हें राशन का लाभ नहीं मिल रहा। केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान के बेटे चिराग पासवान ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा, 'जिनका नाम राशन कार्ड लिस्ट में नहीं है वह काफ़ी दिक्कत में हैं। बिहार में लगभग १४.५ लाख लोगों को इससे जोड़ा जाना है लेकिन प्रदेश सरकार ने अभी तक लाभार्थियों की सूची केंद्र को नहीं दी है, जिससे उन्हें राशन का लाभ नहीं मिल रहा है। मुझे विश्वास है कि सीएम नीतीश कुमार जल्द इस पर कदम उठाएंगे।

उन्होंने एक और ट्वीट में लिखा, लॉकडाउन में केंद्र सरकार ने तमाम प्रदेशों से बचे हुए लगभग ३६ लाख राशन कार्ड धारकों की सूची जल्द भेजने को कहा है, जिसमें बड़ी संख्या लगभग १४.५ लाख बिहार प्रदेश के लाभार्थियों की है। केंद्र सरकार के निरंतर प्रयासों के बाद भी बिहार सरकार ने अभी तक सूची नहीं भेजी है। बहरहाल, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि जीविका द्वारा पहचान किए गए वैसे परिवारों को शीघ्र सहायता राशि के रूप में एक-एक हजार रुपये और अन्य मदद दिए जाएं, जिनके पास राशनकार्ड नहीं है। यह राशि उन लोगों को भी तत्काल दें, जिनके राशनकार्ड के आवेदन स्वीकृत कर लिए गए हैं। राशि भेजने के बाद इन सभी को राशनकार्ड भी निर्गत करें।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री ने पूर्व में निर्देश दिया था कि राशनकार्ड के जिनके आवेदन विभिन्न कारणों से लंबित अथवा अस्वीकृत कर दिए गए हैं, उनकी पुनः जांच करें और इसका निष्पादन कराएं। साथ ही वैसे परिवारों को जीविका द्वारा चिह्नित कराएं, जिनके पास राशनकार्ड नहीं हैं। ताकि इन्हें भी सहायता राशि दी जा सके। लॉकडाउन से उत्पन्न स्थिति को लेकर राज्य के सभी राशनकार्ड धारियों के खाते में एक-एक हजार भेजे जा रहे हैं। एक करोड़ से अधिक कार्डधारियों के खाते में यह राशि भेज भी दी गई है।

दृष्टिहीन महिला से दुष्कर्म के मामले मे पुलिस के हाथ खाली

भोपाल। राजधानी के शाहपुरा इलाके में दृष्टिहीन महिला से दुष्कर्म की सनसनीखेज घटना मे फिलहाल पुलिस के हाथ ऐसा कोई सुराग नहीं लगा है, जिससे उसकी पहचान जुटाकर उसे दबोचा जा सके। गोरतलब है कि पांच दिन पहले शाहपुरा के पॉश इलाके में रहने वाली एक ५३ साल की महिला के साथ उसके घर में घुसकर अज्ञात आरोपी ने उसे अपनी हवस का शिकार बना डाला था। वही आरोपी ने पीडीता के साथ मारपीट कर उसे कमरे में बंद कर फरार हो गया था। पुलिस को आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज मे सदिंग्ध का हुलिया मिला है, इन फुटेज को आसपास के इलाकों में भी भेज दिया गया है, लेकिन इसके बाद भी पुलिस को कोई जानकारी नहीं मिली है। सूत्रो के अनुसार पुलिस आरोपी की तलाश उस मोबाइल के जरिये भी कर रही है, जो वह महिला के घर से चोरी हुआ है, लेकिन उस बिंदु की छानबीन मे भी अहम सुराग पुलिस को फिलहाल नहीं मिला है।

मोदी की आलोचना के बाद भाजपा विधायक को नोटिस, आडियो हुआ था वायरल

लखनऊ । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना करने वाली आडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने अपने सीतापुर के विधायक को कथित पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्तता के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। भाजपा की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह के निर्देश पर प्रदेश महामंत्री विद्यासागर सोनकर ने सीतापुर सदर के विधायक राकेश राठौर को अनुशासनहीनता पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। विज्ञप्ति में कहा गया कि राठौर के खिलाफ पार्टी विरोधी कृत्य करने की शिकायतें मिल रही थीं, जिस पर संज्ञान लेते हुए यह कार्रवाई की गयी है। राठौर को एक सप्ताह के भीतर अपना लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना होगा। राठौर की बदायूं के भाजपा नेता जेपी साहू के साथ बातचीत का आडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री के बारे में आलोचनात्मक टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि क्या आप ताली बजाकर कोरोना वायरस भगा दोगे। क्या कोरोना शंख बजाने से जाएगा। राठौर ने आडियो में अन्य भी आपत्तिजनक बातें कही हैं। इस बारे में प्रतिक्रिया के लिए राठौर उपलब्ध नहीं हो सके।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में 191 नए केसों के साथ कोरोना का मीटर पहुंचा 2815 – 24 घंटों में 15 की मौत, 7 हुए ठीक, 191 केसों में 169 अहमदाबाद के मामले

अहमदाबाद। गुजरात के 29 जिलों में पैर पसार चुके कोरोना के पिछले 24 घंटों में नए 191 केस दर्ज हुए हैं जिसमें 169 केस केवल अहमदाबाद से सामने आए है पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में 15 मरीजों की मौत हो चुकी है और 7 लोगों के स्वस्थ होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया हैद्य प्रमुख स्वास्थ्य सचिव डॉ. जयंति रवि ने बताया कि पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद में 169 कोरोना पॉजिटिव के केस सामने आए हैंद्य वहीं सूरत में 6, वडोदरा में 5, आणंद में 3, गांधीनगर में 1, भावनगर में 2, बोटाद में 1, पंचमहल में 3 और वलसाड जिले में कोरोना का 24 घंटों में एक केस दर्ज हुआ हैद्य पिछले 24 घंटों में केवल अहमदाबाद में कोरोना से 14 लोगों की मौत हो गई है जिसमें 7 महिला और 7 पुरुश मरीज षामिल हैंद्य जबकि सूरत में कोरोनाग्रस्त एक महिला मरीज की मौत हुई हैद्य वहीं आणंद में 3 पुरुश और एक महिला, सूरत में एक पुरुश और एक महिला और दाहोद में एक महिला मरीज के ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। डॉ. जयंति रवि ने बताया कि राज्य में अब तक कोरोना पॉजिटिव के 2815 केस दर्ज हुए हैंद्य जिसमें 2391 मरीजों की हालत स्थिर है और 29 मरीज वेन्टीलेटर पर हैंद्य राज्य में कोरोना से 127 मरीजों की मौत हो चुकी है और 265 लोगों के स्वस्थ होने के पष्चात अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है राज्य में अब तक 43822 टेस्ट किए गए हैं, जिसमें 2815 पॉजिटिव और 41007 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है गुजरात में 33734 लोग कोरन्टाइन हैं, जिसमें 30064 होम कोरन्टाइन, 3403 सरकारी कोरन्टाइन और 267 लोग प्राइवेट फैसिलिटी में कोरन्टाइन हैं उन्होंने बताया कि अहमदाबाद में 169 नए केसों के साथ कोरोना मामलों की संख्या 1821 पर पहुंच गई हैद्य अहमदाबाद में कोराना से अब तक 83 मरीजों की मौत हो चुकी है और 113 लोग ठीक हुए हैं उन्होंने बताया कि वडोदरा में 223, सूरत में 462, राजकोट में 41, भावनगर में 35, आणंद में 36, भरुच में 29, गांधीनगर में 19, पाटन में 15, पंचमहल में 15, बनासकांठा 16, नर्मदा में 12, छोटाउदेपुर में 11, कच्छ में 6, मेहसाणा में 7, बोटाद में 12, पोरबंदर में 3, दाहोद में 4, गिर सोमनाथ में 3, खेडा में 5, जामनगर में 1, मोरबी में 1, साबरकांठा में 3, अरवल्ली में 18, महीसागर में 9, तापी में 1, वलसाड में 5, नवसारी में 1 और डांग जिले में अब तक कोरोना का 1 केस दर्ज हुआ हैद्य इसी के साथ राज्य में कोरोना के कुल केसों की संख्या 2815 हो गई है, जिसमें 127 मरीजों की मौत हो चुकी है और 265 लोग ठीक हो चुके हैं

पूर्व सांसद ने मुख्यमंत्री को पत्र लिख वाइन शोप शुरू करने की मांग की

राजकोट । राजकोट के पूर्व सांसद रामजीभाई मावाणी ने मुख्यमंत्री विजय रूपाण ाी को पत्र लिखकर वाइन शोप शुरू करने की मांग की है। उनका कहना है कि राज्य में लाखों लोग ऐसे हैं, जो वाइन का बतौर दवाई के रूप में उपयोग करते हैं। ऐसे लोगों को पिछले दो महीने से शराब नहीं मिली।

गुजरात समेत देशभर में कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लॉकडाउन किया गया है। लॉकडाउन के चलते रोजगार-धंधे ठप हैं। हांलाकि लॉकडाउन के कारण कोरोना को रोकने में बड़ी सफलता भी मिली है। २० अप्रैल के बाद कुछ वाणिज्यिक एवं औद्योगिक इकाइयों को छूट प्रदान की गई है। राजकोट के पूर्व सांसद रामजीभाई मावाणी ने राज्य के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को एक पत्र लिखा है। जिसमें मावाण ाी ने राज्य में वाइन शोप शुरू करने की मंज. ूरी देने की मांग की हैद्य उनका कहना है कि गुजरात में लाखों नागरिक बतौर दवाई वाइन का उपयोग करते हैं। जिन लोगों को डॉक्टर ने दवाई के तौर पर वाइन का उपयोग करने को कहा है, उन्हें पिछले दो महीने से वाइन नहीं मिली। जिसकी वजह से ऐसे मरीजों की हालत खराब है। वाइन शोप बंद होने से राज्य सरकार को टेक्स स्वरूप आय भी बंद होने से सरकारी खजाने को नुकसान हो रहा है। ऐसी स्थिति को देखते हुए वाइन शोप शुरू करने की मंजूरी दी जानी चाहिएद्य उन्होंने कहा कि वाइन शोप शुरू करने की मंजूरी देने या नहीं इसका अधिकार राज्य सरकार को है। राज्य सरकार चाहे तो राज्य में वाइन शोप खुल सकती हैं और उन लोगों को लीकर उपलब्ध हो सकती है जो इसका दवाई के तौर पर उपयोग करते हैं।

मछली कारोबार की इजाजत, मगर मजदूर नहीं

सूरत । लॉकडाउन 2.0 में मछली उत्पादन की अनुमति भले मिल गई है, लेकिन देषभर में इससे जुड़ी गतिविधि षुरू करने में खासी दिक्कत आ रही है। मत्स्य कारोबार में लगे 1.4 करोड़ लोग प्रभावित हैं। गुजरात के सूरत व दीव में ही करीब 20 हजार बड़ी वाली बोट व 8 हजार छोटी बोट अब भी समुद्र तट (जेटी) पर खड़ी हैं। वजह है बोट मालिक, सप्लायर और एक्सपो. र्टर के पास न कूर मेंबर हैं और न ही मजदूर।

दूरदराज के क्रू मेंबर, श्रमिक अपने गांव जा चुके हैं, जो पाबंदियों के चलते लौटने की स्थिति में नहीं हैं। भारत मत्स्य उत्पादन में दुनिया में तीसरे स्थान पर है। नेषनल फिषरीज डेवलपमेंट बोर्ड के मुताबिक वैष्विक मछली उत्पादन में भ. ारत का हिस्सा 6.3 प्रतिषत है। सालाना कुल उत्पादन 70 लाख टन है। भारत से कुल निर्यात का 10 प्रतिषत हिस्सा मछली पालन का है।

राज्य के 66 लाख परिवारों को मुफ्त अनाज का वितरण आज से

अहमदाबाद । गुजरात के 66 लाख परिवारों को कल से गेहूं और चावल का मुफ्त वितरण किया जाएगाद्य मुख्यमंत्री के सचिव अश्विनी कुमार ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इन 66 लाख परिवारों को 3.50 किलो गेहूं और 1.50 किलो चावल का मुफ्त वितरण 25 अप्रैल से राज्य की 17 हजार उचित मूल्य की दुकानों से प्रारंभ होगा। उन्होंने लॉकडाउन के 31वें दिन राज्य में दूध, सब्जी और फल आदि की उपलब्धता की जानक. ारी भी दी। अश्विनी कुमार ने कहा कि शुक्रवार सुबह राज्य में 49.28 लाख लीटर दूध की बिक्री हुई है तथा 1 लाख 19 हजार 326 क्विंटल सब्जी की आवक राज्य की मंडियों में हुई है, जिसमें 26,893 क्विंटल आलू, 84,282 क्विंटल प्याज शामिल है। वहीं, कुल 15,990 क्विंटल फलों की आवक भी हुई है।

राज्य में 98 सब रजिस्ट्रार कार्यालयों में दस्तावेज पंजीयन का कार्य शुरू किया जाएगा

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने राज्य में महानगरपालिका और नगरपालिका क्षेत्र को छोड़ अन्य क्षेत्रों के 98 सब रजिस्ट्रार कार्यालयों में दस्तावेज पंजीयन का कार्य शुरू करने का निर्णय किया है। मुख्यमंत्री के इस निर्णय सहित राज्य सरकार के अन्य महत्वपूर्ण कदमों की जानकारी शुक्रवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री के सचिव अश्विनी कुमार ने मीडिया को दी। उन्होंने इस संदर्भ में कहा कि जिन 98 सब रजिस्ट्रार कार्यालयों को शुरू करने का निर्णय किया गया है उसमें केवल ऑनलाइन अपॉ. इन्टमेंट प्राप्त करने और ऑनलाइन पंजीयन फीस जमा करने के बाद ही दस्तावेज पंजीयन के लिए जाना होगा। वर्तमान हालात में पंजीयन के अलावा नागरिक उन्मुख प्रतिलिपि और शोध का कार्य नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री के सचिव ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण की मौजूदा स्थिति में कोविड–19 से संबंधित सोशल डिस्टेंसिंग यानी सामाजिक दूरी और सेनेटाइजेशन सहित एहतियात के तमाम उपाय बरतने के निर्देश भी दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने इन सब रजिस्ट्रार कार्यालयों के लिए यह साफ निर्देश भी दिए हैं कि ये कार्यालय जिस स्थान पर हैं, उस स्थ. ानीय क्षेत्र के हॉटस्पॉट घोषित होने या फिर वहां कर्फ्यू लागू होने पर इन कार्यालयों को तुरंत बंद करना होगा।

सुरत ने एक महिला ट्युषन कलास की आवक में से रूपया 5100/– का चेक दिया प्रधानमंत्री केर्ष फंड में

लिंबायत, उधना, वराछा जोन–ए कलस्टर घोशित –17 इलाको के ढाई लाख लोग होम कोरोन्टाइन

सूरत । कोरोना वायरस के लगातार बढते केस के मद्देनजर महानगरपालिका कमिषनर ने आज अधि ासूचना जारी कर उधना, लिंबायत और वराछा को कलस्टर घोशित किया है। 17 इलाकों के ढाई लाख लोगों को होम कोरोन्टाइन किया गया है।

सूरत सहित देषभर में कोरोना का कहर छाया हुआ है षहर के तीन इलाकों को कलस्टर घोशित किया गया है। जिसमें लिंबायत जोन में 2.47 लाख, उधना के भेस्तान के 500 एवं वराछा के जोन–ए के 2276 मिलाकर कुल 2.50 लाख लोगों को कोरोन्टाइन में रहने का मनपा कमिषनर ने अधिसूचना जारी कर आदेष जारी किया है ।

षहर में कुल 17 इलाकों को कलस्टर घोशित किया है। वराछा जोन–ए के धरतीनगर सोसायटी फुलपाडी के आसपास के इलाके में षक्तिनगर–1 से 65, षिवनगर 1 से 122, सोमनाथ सोसायटी 1 से 28 में 580 मकान में रहनेवाले 2776 लोगों को कोरोन्टाइन किया गया है।

उधना के भेस्तान एच–15 आवास के ए–42, ए–44, ए–49 से ए–51 में 96 मकान में रहनेवाले कुल 500 लोगों को कोरोन्टाइन किया गया है। लिंबायत जोन ने डींडोली में 25,581 घरो में रहनेवाले 1,24,910 लोगों के साथ गोडादरा में 24,879 मकान में रहनेवाले 1,22,154 लोगों को कलस्टर घोशित कर कोरोन्टाइन रहने का आदेष जारी किया गया है।

कोरोना वॉरियर्स पर हमले की 9 घटना के 26 आरोपी जेल भेजे गए : डीजीपी

अहमदाबाद । गुजरात के पुलिस महानिदेषक षिवानंद झा ने बताया कि कोरोना वॉरियर्स पर हमले की 9 घटनाओं में 26 आरोपियों को गिरफ्तार कर पासा के तहत राज्य की विभिन्न जेलों में बंद किया गया है। अहमदाबाद, राजकोट और सूरत में आज कर्फ्यू हटाए जाने के बाद कानून व्यवस्था को लेकर कोई गंभीर समस्या नहीं हुई और लोगों का सहयोग मिल रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य के किसी भी षहर में कर्फ्यू नहीं है, लेकिन राज्य में 3 मई 2020 तक लॉकडाउन का सख्ती से अमल जारी रहेगाद्य जहां जहां कर्फ्यू था और राज्य जो क्षेत्र होटस्पोट हैं, वहां लॉकडाउन का सख्ती से अमल का आदेष दिया गया हैद्य अहमदाबाद, सूरत और राजकोट में कर्फ्यू उल्लंघन के क्रमषः 198, 155 और 129 मामले दर्ज कर क्रमषः 223, 178 और 143 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। रिहाइसी क्षेत्र के विभिन्न सोसायटियों के सीसीटीवी के जरिए कल तक 35 मामलों में 49 लोगों को गिरफ्तार किया गया थाद्य जबकि आज तककुल 224 मामलों में कुल 384 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका हैद्य कर्फ्यूग्रस्त अहमदाबाद, सूरत और राजकोट 482 मामलों में कुल 544 आरोपियों को गिरफ्तार किया गयाद्य जिसमें 51 मामले ड्रोन और 6 मामले सीसीटीवी सर्वेलन्स की मदद से दाखिल किए गएद्य उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के दौरान जिन उद्योगों और कृशि क्षेत्र को षर्तों पर छूट दी गई है उन क्षेत्रों को छोड़ अन्य लोग अपने घरों में रहकर सहयोग देंद्य जहां कहीं भी लॉकडाउन का उल्लंघन किया जाएगा, वहां सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

श्री कच्छ कड़वा पाटीदार समाज, सुरत ने प्रधानमंत्री केर्ष फंड में 111000 और मुख्यमंत्री राहत निधि में रु100000 का चेक कलेक्टर डॉ धवल पटेल को दिया गया.

राज्य में 40 हजार उद्योगों के कार्यरत होने से 5 लाख श्रमिकों को मिला रोजगार

अहमदाबाद । गुजरात में 20 अप्रैल से महानगर पालिका और नगर पालिका की सीमा से बाहर औद्योगिक इकाइयां शुरू करने की छूट के बाद अब तक 40 लाख से ज्यादा इकाइयों में काम षुरू हो गया है और इससे करीब 500000 जितने श्रमिकों को रोजगार मिलने लगा है।

मुख्यमंत्री के सचिव अष्विनी कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा राज्य में 20 अप्रैल से ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योगों को केंद्र सरकार की गाइडलाइन के अनुसार पुनः षुरू करने के लिए दी गई अनुमति के अंतर्गत लगभग 40 हजार औद्योगिक इकाइयां कार्यरत हुई हैं। ऐसे उद्योगों में करीब पांच लाख श्रमिकों को रोजगार मुहैया हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य के महानगरों व नगरों में निर्माणाधीन भवन निर्माण प्रोजेक्ट को भी श्रमिकों–मजदूरों के निर्माण स्थल पर ही रहने की व्यवस्थाओं के साथ 20 अप्रैल से षुरू करने की अनुमति दी गई है। ऐसे 573 निर्माणाधीन भवन निर्माण प्रोजेक्ट में लगभग 20 हजार श्रमिकों को रोजी–रोटी मिल रही है।

मुख्यमंत्री के सचिव ने कहा कि लॉकडाउन के समय में किसानों को अपने खेत उत्पादनों को मा. र्केट यार्ड–कृशि उत्पाद बाजार समिति (एपीएमसी) में बेचकर आय अर्जित करने की व्यवस्था संबंधी मुख्यमंत्री के निर्णय के चलते राज्य के 127 मार्केट यार्ड में अब तक 4 लाख 42 हजार 860 क्विंटल अनाज–खेत उत्पादन की आवक हुई है। इन अनाजों में मुख्य रूप से गेहूं 2,42,904 क्विंटल तथा अरंडी 1,23,389 क्विंटल का समावेष होता है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने राश्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के अंतर्गत अनाज प्राप्त करने वाले राज्य के 66 लाख अंत्योदय और प्राथमिकता वाले परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए 1,000 रुपए उनके बैंक खाते में जमा कराने का संवेदनषील दृश्टिकोण अपनाया है। तदनुसार, जो कार्य जारी है उसके तहत इस सप्ताह के अंत यानी षनिवार, 25 अप्रैल तक ऐसे 41 लाख अंत्योदय परिवारों का समावेष कर 410 करोड़ रुपए की सहायता प्रदान कर दी जाएगी।

31 मई तक अहमदाबाद में कोरोना का आंकड़ा 8 लाख होने की आषंका : नेहरा

पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद में 151 पॉजिटिव केस दर्ज हुए हैं और 7 लोगों की मौत हो चुकी है।

अहमदाबाद महानगर पालिका आयुक्त विजय नेहरा ने कहा है कि लॉकडाउन खुला तो कोरोना के मामलों में तेजी से इजाफा होगा और दोगुनी की दर यथावत रही तो 15 मई तक 50000 और 31 मई तक 8 लाख केस दर्ज होने की आषंका हैद्य उन्होंने अहमदाबाद के लोगों से कहा कि यह लंबी लडाई है इतनी जल्द खत्म होने वाली नहीं हैद्य अहमदाबाद के लोग साथ देंगे तो कोरोना केसों को नियंत्रित करने में सफलता जरूर मिलेगी और इसके जो मरीज उपचाराधीन हैं उनका बेहतर उपचार किया जा सकेगा उन्होंने कहा कि लॉकडाउन खुलने के बाद शहर में संक्रमण बढ़ने की संभावना है । इसलिए लोगों को चाहिए कि वह बेवजह अपने घरों से बाहर नहीं निकलेंद्य अपने घर में रहकर ही लोग खुद को सुरक्षित रखत सकते हैं विजय नेहरा ने कहा कि 16 अप्रैल से 20 अप्रैल के दौरान अहमदाबाद में कोरोना के मामले तेजी से बढ़े हैंद्य अहमदाबाद में केस डबलिंग रेट फिलहाल प्रति 4 दिन में दोगुना हो रहा हैद्य यदि अहमदाबाद के लोगों का साथ मिला तो लॉकडाउन खत्म होने तक डबलिंग रेट प्रति 8 दिन हो सकता हैद्य लेकिन सहयोग नहीं मिलने पर 15 मई तक कोरोना का आंकड़ा 50000 और 31 मई तक 800000 पहुंच सकता ह उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य डबलिंग रेट 7 से 8 तक ले जाने का है और इसमें सफलता मिलती है तो 15 मई तक शहर में 10000 केस दर्ज होंगे और यदि डबलिंग रेट 10 का होगा तो 8000 केस दर्ज होंगेद्य फिलहाल अहमदाबाद में कोरोना के कुल 1652 मरीज हैं, जिसमें 19 वेन्टीलेटर पर हैंद्य 69 मरीजों की कोरोना के कारण मौत हो चुकी है और 113 लोग ठीक होने के बाद अपने घर पहुंच गए

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)